



सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

- | | |
|---|---|
| 7 सम्पादकीय
विशेष स्तम्भ | 67 मध्य प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (तकनीकी) भर्ती
परीक्षा, 2016 |
| 9 समसामयिक सामान्य ज्ञान | 73 मध्य प्रदेश पुलिस काँस्टेबल भर्ती परीक्षा, 2016 |
| 15 आर्थिक परिदृश्य | 80 केन्द्रीय विद्यालय संगठन प्राथमिक शिक्षक
परीक्षा, 2017 |
| 19 राष्ट्रीय परिदृश्य | एस.बी.आई. पी.ओ. प्रारम्भिक परीक्षा, 2016 |
| 26 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य | 89 तर्कशक्ति |
| 32 क्रीड़ा जगत् | 92 परिमाणात्मक अभियोग्यता |
| 35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य | Indian Bank P.O. (Pre.) Exam., 2017 |
| 36 युवा प्रतिभाएं | 96 English Language |
| 38 विज्ञान समाचार | द न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड
असिस्टेंट (प्रा.) परीक्षा, 2017 |
| 40 सारभूत तत्व कोष
लेख | 99 तर्कशक्ति |
| 45 सामयिक लेख—भारत-चीन सम्बन्धों के मध्य
डोकलाम समस्या | 102 गणितीय अभियोग्यता |
| 47 भौगोलिक लेख—समुद्री खारे पानी को मीठे में
बदलने की जरूरत | 106 English Language |
| 48 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन लेख—संयुक्त राष्ट्र
जलवायु-परिवर्तन सम्मेलन-2015 कितना
सफल, कितना असफल | 109 आगामी बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हेतु
विशेष हल प्रश्न |
| 50 कैरियर लेख—बिहार पुलिस सिपाही परीक्षा की
तैयारी कैसे करें ? | 113 आगामी उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड शिक्षक पात्रता
परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न |
| 54 आगामी छत्तीसगढ़ पंचायत एवं ग्रामीण विकास
विभाग में सहायक विकास विस्तार अधिकारी
भर्ती परीक्षा, 2017 हेतु विशेष सामग्री—ग्रामीण
विकास की महत्वपूर्ण योजनाएं | सामान्य/विविध |
| हल प्रश्न-पत्र | 124 वार्षिक रिपोर्ट 2016-17—वाणिज्य एवं उद्योग
क्षेत्र में अनुसंधान, विकास और प्रचार-प्रसार
गतिविधियों के बढ़ते चरण-पर्यवलोकन |
| 59 रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी)
परीक्षा, 2016 | 127 ज्ञान वृद्धि कीजिए |
| | 129 रोजगार समाचार |

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

भली प्रकार समझ कर अध्ययन का अभ्यास करें

"A few Books well studied and thoroughly digested, nourish the understanding, more than hundreds but gargled in the mouth, as ordinary students do"

कहा था कि "बिना विचार के सीखना श्रम नष्ट करना है, बिना सीखे हुए विचार करना भयानक है."

आपने चूल्हा अथवा अँगीठी जलाते हुए किसी-न-किसी को अवश्य देखा होगा. जैसे-जैसे लकड़ियाँ आग पकड़ती जाती हैं. वैसे-वैसे सामने बैठा व्यक्ति अतिरिक्त लकड़ियाँ लगाता जाता है. अँगीठी जलाने वाला व्यक्ति भी इसी नियम का पालन करता है. जैसे-जैसे कोयले आग पकड़ते जाते हैं. वैसे-वैसे अधिकाधिक कोयले उसमें डालते जाते हैं. यदि इकट्ठी लकड़ियाँ चूल्हे में डाल दी जाएं अथवा एकदम से पूरी अँगीठी कोयलों से भर दी जाए, तो आग जलेगी ही नहीं और यदि थोड़ी-बहुत जल रही होगी, तो वह भी बुझ जाएगी.

समझदार लोग भोजन उतना ही करते हैं. जितना आसानी से पच जाता है. ऐसा न करने वाले व्यक्ति को अनेक प्रकार के रोग हो जाते हैं. आयुर्वेद का मान्य नियम है कि स्वल्पाहारी लोग स्वस्थ रहते हैं और दीर्घजीवी होते हैं. अध्ययन करते समय भी यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि हम जो भी पढ़ें समझकर पढ़ें, पढ़ें हुए को समझे बिना, आत्मसात किए बिना आगे न पढ़ें. ऐसा न करने से हमारी दशा उस व्यक्ति की भाँति हो जाती है, जो पाचन क्रिया एवं पाचन शक्ति की उपेक्षा करके भोजन करता चला जाता है. आवश्यकता से अधिक भोजन करने का कारण प्रायः भोजन का स्वादिष्ट होना कम हो जाता है. इसीलिए कहा जाता है कि भोजन करते समय संयम बरतना चाहिए. यानि अपनी जुबान पर काबू रखना चाहिए.

अध्ययन करते समय भी हम लोग प्रायः जल्दी करते हैं. इसके कई कारण हो सकते हैं, परन्तु मुख्य कारण होता है यह सोचा कि मैंने आज इतने पृष्ठ पढ़ लिए. परिणामतः जितनी जल्दी पढ़ने में की जाती है. भूलने की क्रिया भी उतनी ही जल्दी-जल्दी अपना काम करती है. अधिकचरे अध्ययन के आधार पर कभी-कभी लोग अपनी राय भी बनाने लगते हैं और गोष्ठियों में उसको व्यक्त करने का भी प्रयास करते हैं. ऐसे व्यक्ति शीघ्र ही अपने अधूरे ज्ञान अथवा अज्ञान का परिचय दे देते हैं. इस कोटि के अध्येताओं को लक्ष्य करके चीन के दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने